रजिस्ट्री सं. डीएल—33001/2003 REGISTERED No. DL—33001/2003

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सत्यमेव जयते

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 18] नई दिल्ली, शनिवार, मई 3, 2003 (वैशाख 13, 1925)
No. 18] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 3, 2003 (VAISAKHA 13, 1925)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I--खण्ड-1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	623
भाग I--खण्ड-2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियां आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	347
भाग I--खण्ड-3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	1
भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	557
भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	*
भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	*
भाग II--खण्ड-2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	*
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	*
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	*
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	*
भाग II--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	*
भाग III--खण्ड-1--उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	[illegible]
भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई [illegible] और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	[illegible]
भाग III--खण्ड-3--मुख्य आयुक्तों [illegible] अथवा द्वारा जारी की [illegible]	
भाग III--खण्ड-4--विविध अधिसूचनाएं [illegible] निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	6979
भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	131
भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक	*

CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 623

PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court 347

PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence . 1

PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence 557

PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations . . . . . *

PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations . . . . . *

PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills . . . . . *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories) . . . . . *

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)

PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories) . . . . . *

PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence *

PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India 639

PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs 1697

PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners . . . . . —

PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies 6979

PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies 131

PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi . . . . . *

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]
[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]
[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and hy the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल 2003

सं. 95-प्रेज/2003--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को "उत्तम जीवन रक्षा पदक" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :--

1. स्वर्गीय कुमारी बियासा देवी, ग्राम कुश्री, डाकघर-भिउंखरी, उप तहसील, रामशेहर, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश। (मरणोपरान्त)

16 जून, 2002 को कुमारी बियासा देवी अपनी दो सखियों 16 वर्षीया कुमारी मीरा देवी और 14 वर्षीया कुमारी पुष्पा देवी के साथ गंभर नदी में स्नान करने गईं। नदी में स्नान करते हुए उनकी दोनों सखियां मीरा देवी और पुष्पा देवी गहरे पानी में डूबने लगीं। उनको डूबते देख, कुमारी बियासा देवी तैरकर अपनी सखियों की ओर गई और उनकी सहायता करने की कोशिश की। कुमारी बियासा देवी अच्छी तरह तैरना नहीं जानती थीं फिर भी उन्होंने अपनी दो सखियों की जान बचाने की कोशिश की और उन्हें बचाने में सफल हो गई। लेकिन उन्हें बचाते हुए वे अपना संतुलन खो बैठी और नदी में डूब गई।

2. कुमारी बियासा देवी ने दो युवा लड़कियों की डूबने से जान बचाकर असाधारण बहादुरी और साहस का परिचय दिया और इस प्रक्रिया में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

2. मास्टर सी. वंलालहुआइआ, टी-175/बी वेंघलुई, आइजौल, मिजोरम। (मरणोपरान्त)

3 सितम्बर, 2002 को श्री सी. लालसंगलिआना का परिवार--उनकी पत्नी, दो पुत्र और एक पुत्री--सेंट्रल आईजौल बस्ती में अपने घर पर सो रहे थे। श्री सी. लालसंगलिआना स्वयं उस समय घर पर नहीं थे। श्री सी. लालसंगलिआना की 13 वर्षीया पुत्री, कुमारी सी. लल्लीआंपुई की अचानक नींद खुल गई और उसने देखा कि मुखौटा लगाए तथा हथौड़ा और चाकू लिए एक व्यक्ति उसके निकट खड़ा है। यह देख कर कुमारी सी. लल्लीआंपुई जोर से चिल्लाई। उसकी चीख सुनकर बिस्तर के दूसरी ओर सोई उसकी मां श्रीमती जोतनपुई जाग उठीं। चूंकि उन दोनों की बीच पर्दा लगा हुआ था और वे अपनी पुत्री को नहीं देख पाई थीं, इसलिए उन्होंने अपनी पुत्री से पूछा कि क्या हुआ है। चूंकि मुखौटे वाले घुसपैठिए ने कुमारी सी. लल्लीआंपुई का मुंह कसकर बंद किया हुआ था इसलिए वह अपनी मां को कोई उत्तर न दे सकी। लगभग एक मिनट बाद कुमारी सी. लल्लीआंपुई फिर चिल्लाई। मुखौटे वाला घुसपैठिया हिंसक हो गया और उसने हथौड़े से उसके सिर पर वार कर दिया। इस शोरगुल को सुन कर श्रीमती जोतनपुई यह जानने के लिए खड़ी हुईं कि वहां क्या हो रहा है। उनका युवा पुत्र मास्टर सी. वंलालफेलम भी उनके पीछे आ गया। श्री सी. लालसंगलिआना का पुत्र मास्टर सी. वंलालहुआइआ भी अपनी बहन की चीख सुनकर जाग गया और दौड़ता हुआ कमरे में आया तथा उसने मुखौटा पहने घुसपैठिये को देख लिया। मुखौटेवाला घुसपैठिया हाथ में चाकू लिए पर्दे से बाहर आया। इस पर जहां एक ओर मास्टर सी. वंलालहुआइआ, घुसपैठिए पर टूट पड़ा वहीं दूसरी ओर श्रीमती जोतनपुई और उनका युवा पुत्र सहायता के लिए दरवाजे की तरफ दौड़ पड़े। मास्टर सी. वंलालहुआइआ मे घुसपैठिए को धर दबोचा। घुसपैठिए ने उस पर चाकू से वार किया। मास्टर सी. वंलालहुआइआ घायल होकर नीचे गिर पड़ा। घुसपैठिए ने फिर उसकी पीठ पर वार किया और कमरे से भाग खड़ा हुआ। मुख्य दरवाजे के बाहर खड़ी श्रीमती जोतनपुई पर भी घुसपैठिए ने वार किया और तेजी से घर से भाग खड़ा हुआ। बाद में मास्टर सी. वंलालहुआइआ, श्रीमती जोतनपुई और कुमारी सी. लल्लीआंपुई को आइजौल सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां श्रीमती जोतनपुई और कुमारी सी. लल्लीआंपुई तो बच गईं लेकिन अत्यन्त घायल होने के कारण मास्टर सी. वंलालहुआइआ की मृत्यु हो गई।

2. मास्टर सी. वंलालहुआइआ ने अपने परिवार के सदस्यों की जान बचाने में असाधारण साहस और वीरता का परिचय दिया और इस प्रक्रिया में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

3. स्वर्गीय श्री अमर सिंह, ग्राम-कचपुरा, पी.एस.-अतमडुदोला, आगरा, उ.प्र.। (मरणोपरान्त)

24 मई, 2002 को श्री जी इंटरनेशनल शू फैक्ट्री, लक्ष्मी मिल में आग लग गई जिसमें 41 कर्मचारियों की मृत्यु हो गई और 12 गंभीर रूप से घायल हो गए। फैक्ट्री के एक कर्मचारी श्री अमर सिंह ने अत्यधिक साहस और वीरता का परिचय दिया और अपनी जान को भारी जोखिम में डाल कर आग की लपटों से आठ व्यक्तियों की जान बचाने में सहायता की। श्री अमर सिंह आठ व्यक्तियों की जान बचाने में सफल हुए। लेकिन दूसरों की जान बचाने के प्रयास में वह स्वयं आग की भयानक लपटों के शिकार हो गए और उनकी मृत्यु हो गई।

2. श्री अमर सिंह ने अग्नि कांड से आठ लोगों की जान बचाने में अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया और इस प्रक्रिया में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दे दिया है।

वरुण मित्रा, निदेशक

संख्या 96– प्रेस/2003 – राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्तियों को **"जीवन रक्षा पदक"** प्रदान करने का अनुमोदन [illegible] है :–

1. श्री के0 एस0 जार्ज,
मावेलीमनिल, मुट्टोम डाकघर,
थुम्पामोन, अडूर,
पथनमथिट्टा, केरल

28 अप्रैल, 2002 को अचंकोइल नदी के गहराई वाले हिस्से में दो व्यक्ति डूब रहे थे । जब श्री जार्ज को इस दुर्घटना के बारे में पता लगा तो वे तत्काल नदी में कूद पड़े और तैरकर उस स्थान पर पहुंच गए जहां पर वे व्यक्ति डूब रहे थे । उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना डूबते हुए व्यक्तियों को बचा लिया ।

2. श्री के0एस0 जार्ज ने अपनी जान को जोखिम में डालकर दो व्यक्तियों की जान बचाई ।

2 श्री मैथ्यू उर्फ अप्पाचन,
पारथजाथु हाउस, पारपुझा,
कोडिकुलम, डाकघर थोडुपुझा, इडुक्की,
केरल

25 मई, 2002 को एक बच्चा थोडुपुझा नामक स्थान पर 'कलियार' नदी के गहरे पानी में फिसल गया और डूबने लगा । [illegible] छोटी बहन और एक महिला, जो उस वक्त वहां पर थे, सहायता के लिए चीखने-चिल्लाने लगी । अपनी जान को जोखिम में डालते हुए श्री मैथ्यू नदी में कूद पड़े । इस बीच वह बच्चा पानी [illegible] ओझल हो गया और डूब कर नदी की तलहटी में चला गया । श्री मैथ्यू ने नदी में गोता लगाया और अचेत बच्चे [illegible] तट पर ले आए ।

2. इस प्रकार श्री [illegible] किए बिना डूबते हुए बच्चे की जान बचाई ।

3. श्री पी0 जी0 सिद्धार्थन,
प्लाकल हाउस, चेरई,
पल्लीपुरम, कोच्चि तालुक,
एर्नाकुलम जिला, केरल

26 जनवरी, 2002 को श्री सिद्धार्थन वाइपिन फेरी टर्मिनल की तरफ जा रहे थे । अचानक नाव पर सवार एक महिला पानी में गिर पड़ी । वह महिला अपनी जान बचाने के लिए पानी में हाथ-पैर मारने लगी लेकिन कोई भी उसकी सहायता के लिए आगे नहीं आया । इस स्थिति को देखकर, श्री सिद्धार्थन ने पानी में छलांग लगा दी और महिला को डूबने से बचा लिया । उस महिला को किनारे तक लाने में श्री सिद्धार्थन को काफी संघर्ष करना पड़ा । उस महिला को बचाने के प्रयास में श्री सिद्धार्थन के सिर में भी चोट आ गई ।

2. श्री सिद्धार्थन ने अपनी जान को जोखिम में डालकर एक महिला की डूबने से जान बचाने में अदम्य साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

4. कुमारी टी0 एम0 मुमताज,
तरूपीडिकयिल हाउस, पिन्डानी पी0ओ0
तिक्कुम्मुरी, पुतेंचिरा,
त्रिशुर, केरल

22 मई, 2002 को कुमारी मुमताज पास के एक तालाब पर कपड़े धोने के लिए अपनी चाची के साथ गई । तालाब पर पहुँचकर उन्हें मदद के लिए चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी और उन्हें यह पता चला कि दो लड़कियां तालाब में डूब रही थीं । मुश्किल से 12 वर्ष की लड़की कुमारी मुमताज बिना कोई समय गंवाए तथा अपनी निजी सुरक्षा के बारे में कुछ भी सोचे बिना तालाब में कूद गईं और दोनों लड़कियों को पानी से बाहर निकाल लाने में मदद की और इस प्रकार डूबने से उनकी जान बचाई ।

2. कुमारी मुमताज ने अपनी जान को जोखिम में डालकर दो लड़कियों की डूबने से जान बचाने में अदम्य साहस, तत्परता और सूझ-बूझ का परिचय दिया ।

5. श्री यू0वी0 सुकुमारन,
उडुवडिकुन्नत हाउस, किल्लिमंगलम,
तलप्पिल्ली तालुक-II त्रिशूर जिला,
केरल

6 मार्च, 2002 को तालाब में स्नान करते समय एक महिला तालाब में गिर पड़ी और डूबने लगी। उसके साथ आए तीन अन्य व्यक्तियों ने उसे बचाने का भरसक प्रयास किया । लेकिन वे भी तालाब में गिर पड़े और डूबने लगे । मदद के लिए उनकी चीख-पुकार को सुनकर वहां से गुजर रहे श्री सुकुमारन घटना स्थल पर दौड़े आए और एक-एक करके उन चारों व्यक्तियों को बचा लिया ।

2. श्री सुकुमारन ने अदम्य साहस का परिचय दिया तथा अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना चार व्यक्तियों की डूबने से जान बचाई ।

6. सुश्री श्रेष्ठी अमृत गोरूले,
बी-8, तृणपुष्प कॉपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड,
लुइसवाड़ी,
ठाणे (पश्चिम), महाराष्ट्र

9 दिसम्बर, 2001 को कुमारी श्रेष्ठी गोरूले अपने परिवार तथा संबंधियों के साथ ठाणे जिले में बदलापुर के निकट बारवी बांध पर पिकनिक के लिए आई हुई थीं और वे तैर रहे थे । तैरने के बाद कुमारी श्रेष्ठी अपने साथियों के साथ नदी के तट पर वापस लौट आईं । इस बीच, अन्य परिवारों की 3 लड़कियां और 2 लड़के भी तैरने लगे । तैरते हुए ये लड़के एवं लड़कियां लगभग बीचों-बीच पहुँच गए जहां नदी की गहराई लगभग 4 से 5 मीटर थी । तथापि, वे नदी के प्रवाह में तैर नहीं पा रहे थे । उनकी चीख पुकार सुनकर कुमारी श्रेष्ठी को लगा कि कुछ न कुछ गड़बड़ है । वह तत्काल नदी में कूद गईं । डूबने से बचने के प्रयास में दो लड़कियां कुमारी श्रेष्ठी से लिपट गईं । उसने डूबती हुई लड़कियों में से एक को बहादुरी से नदी के तट की ओर धकेल दिया और दूसरी के बाल पकड़कर उसे खींचकर नदी से बाहर ले आई । लेकिन दो लड़कों एवं एक लड़की को पानी से बाहर नहीं निकाला जा सका ।

2. कुमारी श्रष्ठी ने अपनी जान को अत्यधिक जोखिम में डालकर दो लड़कियों की डूबने जान बचाने में अनुकरणीय साहस एवं वीरता का परिचय दिया ।

7. श्री रूआलखुमा,
चपरासी एवं चौकीदार, मिडिल स्कूल-III, सैतुअल,
मिजोरम

1 अगस्त, 2002 को जहरीले ततैयों का एक झुंड अपने घोंसले से निकलकर मिडिल स्कूल-III, सैतुअल के पास फैल गया । इस स्कूल का कक्षा V का बारह वर्षीय छात्र रामेन्गामाविया अपने स्कूल के रास्ते में था । ततैयों के खतरनाक झुंड ने उस लड़के पर हमला कर दिया । वह लड़का घबराहट में इधर-उधर दौड़ने लगा और सहायता के लिए चिल्लाया । दुर्भाग्यवश, वह पास के एक मकान के खुले दरवाजे में घुस गया जहां ततैयों ने अपना घोंसला बना रखा था । वहां और ततैयों ने उसपर हमला कर दिया । स्कूल परिसर से इस असहाय बच्चे की चीख-पुकार सुनकर श्री रूआलखुमा उस लड़के की सहायता करने के लिए दौड़े आए । ततैयों ने उन पर भी हमला किया किंतु उन्होंने बहादुरी से ततैयों का मुकाबला किया और उस लड़के को ततैयों से बचाने का प्रयास किया । अपनी पीड़ा को नजरंदाज करते हुए उन्होंने उस लड़के को उठा लिया और स्कूल की ओर दौड़े जो पहाड़ी पर 170 मीटर से अधिक ऊंचाई पर था । जब वे स्कूल पहुँचे तो श्री रूआलखुमा थकान एवं पीड़ा के कारण गिरकर मूर्च्छित हो गए । इलाज के बाद श्री रूआलखुमा को तो होश आ गया लेकिन वह बेचारा लड़का, जिसे ततैयों ने बुरी तरह काट खाया था, उसी दिन चल बसा ।

2. श्री रूआलखुमा ने अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना ततैयों के हमले से एक बच्चे की जान बचाने के प्रयास में असाधारण साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया ।

8. श्री सचिन कुमार तंवर,
आई एन एस, पोरबंदर, पश्चिमी नेवल कमाण्ड,
द्वारा एम एम ओ मुम्बई

8 जून, 2002 को श्री सचिन कुमार तंवर सी-II क्यूए3 सं. 127243 आर, गन आपरेटर बेसिन में खड़े जहाज में क्वार्टर डेक की सफाई कर रहा था । उसने एक मारूति वेन को उलटे चलते तथा जेटी से फिसलकर पानी में गिरते देखा । मारूति वेन के अंदर ड्राइवर भी था । श्री सचिन तंवर ने सूझ-बूझ का परिचय दिया और वह पानी में कूद गए । चूँकि वह ड्राइवर तैरना नहीं जानता था, इसलिए वह बहुत घबराया हुआ था । लेकिन श्री सचिन तंवर ने उसे बाहर निकाल लिया ।

2. श्री सचिन कुमार तंवर ने एक व्यक्ति की डूबने से जान बचाने में साहस एवं सूझ-बूझ का परिचय दिया ।

9. श्री कुला गोगई, पायनियर, जी एस-182389X
1600 पीएनआर कम्पनी (जी आर ई एफ)
द्वारा 56 ए पी ओ

8 मार्च, 2002 को भारत-तिब्बत सड़क पर "टिन्कू नाला" पार करते समय दो जवान भारी हिमपात में फंस गए । संदेश मिलने पर 1600 पीएनआर कम्पनी यूनिट के कुछ कार्मिक घटना स्थल पर दौड़े आए । पानी की तीव्र धारा के कारण उनमें से किसी ने भी बर्फीली सतलुज नदी को पार करने का साहस नहीं जुटाया । लेकिन श्री कुला गोगई फंसे हुए कार्मिकों की सहायता के लिए आगे आए । उन्होंने अपनी कमर पर एक रस्सी बांधी और तैरकर नदी को पार करते हुए नदी के दूसरे तट पर पहुँच गए । वहां पहुंचकर उन्होंने वह रस्सी श्री नवल कुमार की कमर में बांधी तथा नदी को सुरक्षित पार करने में उनकी मदद की । इसी प्रकार उन्होंने एक रस्सी और एक टायर ट्यूब की सहायता से दूसरे कार्मिक श्री मिन्टू मिर्दा को निकाल लिया ।

2. श्री कुला गोगई ने अपनी निजी सुरक्षा की तनिक भी परवाह किए बिना दो व्यक्तियों की जान बचाने में अनुकरणीय वीरता एवं साहस का परिचय दिया ।

10. श्री नाजिर शेख,
55, रोड कंस्ट्रकशन कम्पनी,
(जी आर ई एफ), द्वारा 56 ए पी ओ

55 आरसीसी (जीआरइएफ) के श्री नाजिर शेख को जोजिला-कारगिल-लेह मार्ग पर बर्फ को हटाने के लिए तैनात किया गया था । 28.4.2002 को कार्यस्थल से लौटते समय बरफ हटाने वाला दल बर्फीले तूफान में घिर गया । लांस नायक (ओईएम) गुरजीत सिंह जिस 'स्नो कटर' को चला रहे थे वह भारी हिमस्खलन के कारण बर्फ में दब गया । अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना श्री नाजिर शेख लांस नायक गुरजीत सिंह को ढूंढने और बर्फ के ढेर से उसे बाहर निकालने में उसकी मदद के लिए हिमस्खलन क्षेत्र की ओर गए । हालांकि बहुत कम दिखाई दे रहा था तो भी उन्होंने जोजीला-कारगिल-लेह मार्ग पर

भारी बर्फ के नीचे दबे 'स्नो कटर' को ढूंढ लिया । उन्होंने उस 'स्नो कटर' पर पड़ी हुई बर्फ को तत्काल हटाना शुरू किया । 3 से 4 फुट बर्फ हटाने के बाद उन्होंने उस दबे हुए 'स्नोकटर' से लांस नायक (ओईएम) गुरजीत सिंह को बाहर निकाल लिया और इस प्रकार उसकी जान बचाई ।

2. श्री नाजिर शेख ने अपनी स्वयं की जान को जोखिम में डालकर एक व्यक्ति की जान बचाने में अनुकरणीय साहस का परिचय दिया ।

11. मास्टर अब्दुल रजाक सी.एम.,
चेरिया मुन्डक्कल हाउस,
पी ओ पुलकूल, वाया कक्कत्तिल,
केरल

21 जून, 2002 को सुश्री हजारा अपनी गाय चराने के बाद घर लौट रही थीं । तभी अचानक एक दूसरी गाय उनके पीछे पड़ गई । डर के मारे हजारा दौड़ने लगीं और दुर्घटनावश उसने एक बिजली के तार को छू लिया । वह बिजली के करेंट की चपेट में आ गई । यह देखकर उसकी मां उसे बचाने के लिए दौड़ी । वह भी करेंट की चपेट में आ गई । जब एक अन्य महिला फातिमा ने उन्हें बचाने का प्रयास किया तो उसका भी वही हाल हुआ । राहगीर असहाय यह देखते रहे लेकिन मास्टर अब्दुल रजाक एक सूखा डंडा लेकर घटना स्थल की ओर दौड़े तथा उन्होंने तार पर डंडा दे मारा । वह करंटवाली तार से उन्हें अलग करने में सफल हो गया । तत्पश्चात्, इन महिलाओं का स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार किया गया ।

2. मास्टर अब्दुल रजाक ने अपनी जान को जोखिम में डालकर करंट लगने से तीन महिलाओं की जान बचाने में असाधारण साहस और सूझबूझ का परिचय दिया ।

12. मास्टर अशोक कुमार चौधरी,
एम डी-43, डुप्लैक्स सैक्टर डी,
एल डी ए कालोनी, कानपुर रोड, लखनऊ,
उत्तर प्रदेश

17 जनवरी, 2002 की दोपहर को आर पी एस पब्लिक इन्टर कॉलेज में नर्सरी का एक छात्र मास्टर अंकित कुमार साहू विद्यालय भवन के द्वितीय तल पर खड़ा हुआ था, तभी अचानक उसने भवन के आगे 11 के वी इलेक्ट्रिक फीडर लाइन को छू लिया । वह तत्काल बिजली के करंट की चपेट में आ गया। अंकित सहायता के लिए चिल्लाया । उसकी चीख पुकर सुनकर स्कूल के छात्र एवं शिक्षक घटना स्थल की ओर दौड़े आए । पास खड़ा कक्षा XII का छात्र अशोक चौधरी अंकित को बचाने के लिए आगे आया । पहले उसने अंकित के पैरों को पकड़ने का प्रयास किया । इससे पिछले ही दिन वर्षा हुई थी, इसलिए छत गीली थी और अंकित के पैरों में प्रवाहित करंट ने अशोक के प्रयास को विफल कर दिया । सहारे के लिए दीवार पर झुकते हुए अशोक ने दूसरी बार अंकित को पकड़ा तथा उसे जोर से धक्का दिया । धक्के के प्रभाव से दोनों लड़के तार से दूर जा गिरे । तत्पश्चात् वहां इकट्ठे हुए छात्र तथा शिक्षक उन दोनों को अस्पताल ले गए ।

2. मास्टर अशोक कुमार चौधरी ने अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने सहपाठी की [redacted] ने में अत्यधिक साहस का परिचय दिया ।

13. कुमार चारू शर्मा,
द्वारा श्री अनिल शर्मा,
कमरा नं0 12, चौथा तल,
डाक्टर्स क्वार्टर्स, बंबई अस्पताल,
12 न्यू मेरीन लाइन्स,
मुम्बई-2, महाराष्ट्र

14. मास्टर चिन्मय शर्मा,
कमरा नं0 12, चौथा तल, डाक्टर्स क्वार्टर्स,
बंबई अस्पताल, 12 न्यू मेरीन लाइन्स,
मुम्बई, महाराष्ट्र

दिनांक 10.4.2002 को दोपहर बाद श्रीमती नेहा शर्मा और उनके दो बच्चे चारू और चिन्मय, डाक्टर के पास जाने के लिए लोकल ट्रेन से दादर जा रहे थे । मुम्बई सेंट्रल स्टेशन से दो आदमी ट्रेन में सवार हुए । उनमें से एक ने श्रीमती शर्मा के पास ही बैठी 60 वर्षीय वृद्ध महिला का हैंडबैग छीन लिया । हाथ में चाकू लिए दूसरे आदमी ने झपट कर श्रीमती शर्मा का हैंडबैग भी छीन लिया । चारू ने तुरंत उस आदमी से अपनी मां का हैंडबैग छीन लिया । उस चोर ने चारू के बाल पकड़ लिए और उसे धक्का दिया लेकिन चारू ने बैग नहीं छोड़ा । चोर ने चारू को दरवाजे की तरफ फेंक दिया । चिन्मय चीखा और उसने पीछे से बदमाश के बाल पकड़ लिए और उसे काट खाया । परिणामस्वरूप बदमाश के हाथ से चाकू छूट गया । चिन्मय ने तुरंत चाकू को बाहर फेंक दिया । दूसरे आदमी ने चिन्मय को सीट के नीचे दे मारा जिससे उसके सिर में चोट आ गई । उसी दौरान, चारू ने झपटकर उसकी गर्दन पकड़ ली । इससे वृद्ध महिला का हैंडबैग चोर के हाथ से छूट गया । चिन्मय ने बैग उठा लिया और उसे छोड़ा नहीं । हालांकि, चोरों ने बच्चों पर बार-बार प्रहार किया लेकिन दोनों बच्चों ने उन्हें यात्रियों का कोई भी सामान ले जाने नहीं दिया । तब बदमाश महालक्ष्मी स्टेशन पर उतर गए ।

2. कुमारी चारू शर्मा और मास्टर चिन्मय शर्मा बहादुरी के साथ बदमाशों के साथ लड़े और उन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालकर चोरी के प्रयास को विफल कर दिया ।

15. कुमारी गुड्डीबेन कालूभाई मशार,
गांव ढंडकन,
तालुका पंतिज,
जिला साबरकांठा, गुजरात

22 मार्च, 2002 की रात को खेतों में एक घर के बाहर सो रहे कुछ बच्चों पर एक जंगली जानवर ने हमला कर दिया । जानवर ने पालने में सो रहे एक छः माह के बच्चे के टुकड़े-टुकड़े कर दिए और उसे निगल लिया । उसके बाद उस जानवर ने बगल में ही सो रहे दो वर्ष के बच्चे पर हमला किया । जानवर ने लड़के को सिर से पकड़कर घसीटना शुरू कर दिया । तभी गुड्डीबेन की आंख खुल गई । उसने जानवर का मुकाबला किया और अपने भतीजे को बचाने में सफल हो गई । लेकिन अपने इस प्रयास में जानवर ने उसे जख्मी कर दिया । गुड्डी और विपुल दोनों को इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती करा दिया गया ।

2. कुमारी गुड्डीबेन ने अपनी जान को जोखिम में डालकर एक बच्चे की जान बचाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया ।

16. कुमारी जेसम्मा जॉर्ज,
कोरात्तियिल,
कन्नडी डाकघर पुलिनकुनू,
अलप्पूजा-688507, केरल

17. कुमारी निक्की मारिया जेकब,
पोचुपरम्बिलया पुतेनपारम्बिल,
कन्नडी डाकघर पुलिनकुनू,
अलप्पूजा-688507, केरल.

24 जून, 2002 को मूसलाधार बारिश हो रही थी और लिटल फ्लावर हाई स्कूल के सामने पम्पा नदी उफान पर थी । नदी की गहराई 15 फुट है । उस स्कूल की कक्षा IV का एक छात्र श्रीनाथ एस0 नदी में अपना टिफिन बॉक्स धोने के लिए गया । टिफिन धोते समय वह अचानक फिसलकर नदी में गिर पड़ा । चूंकि उसे तैरना नहीं आता था इसलिए वह फौरन डूबने लगा । यह देखकर, पास ही खड़ी कुमारी निक्की मारिया जेकब नदी में कूद पड़ी और उसने लड़के को बचाने की कोशिश की । लेकिन नदी का तेज बहाव उसके लिए भारी पड़ रहा था । श्रीनाथ को किनारे पर लाने का प्रयास करते हुए निक्की मारिया को देखकर उसी स्कूल की एक छात्रा कुमारी जेसम्मा जॉर्ज भी नदी में कूद गई और श्रीनाथ को बचाने में निक्की मारिया की सहायता की ।

2. कुमारी जेसम्मा जॉर्ज और कुमारी निक्की मारिया जेकब ने अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने दो सहपाठियों की जान बचाने में साहस का परिचय दिया ।

18. मास्टर जस्टिन के टॉम,
कुट्टिमपेरूड, रूबीनगर, मोरकूलांगरा,
चंगनाचेरी, कोट्टायम,
केरल

26 जून, 2002 को मास्टर सचू, बिचू और कानन, सचू के घर के आंगन में खेल रहे थे । खेलते-खेलते तीन वर्षीय सचू आंगन में कंक्रीट से बने पानी के टैंक में गिर पड़ा । टैंक में गंदा पानी भरा हुआ था । सचू को डूबते देखकर दूसरे बच्चों ने चीखना-चिल्लाना शुरू किया । उसकी चीख पुकार सुनकर, मानसिक रूप से विक्षिप्त बच्चा मास्टर जस्टिन टॉम तुरंत वहां आया और सचू को टैंक से सुरक्षित बाहर निकाल लिया ।

2. मास्टर जस्टिन टॉम ने बच्चे को डूबने से बचाने में बहादुरी का परिचय दिया ।

19. कुमारी रूकैया बेगम
मार्फत आरिफ जाजम,
निकट जामा मस्जिद, सदर उत्तर वार्ड नं0 23,
डाकघर व जिला धमतरी-493773, छत्तीसगढ़

1 फरवरी, 2002 को लगभग शाम 7.00 बजे मलबे से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली उस गली से गुजर रही थी जहां जाजम परिवार रहता था । रास्ता बहुत ही तंग था और वहां से ट्राली बड़ी मुश्किल से गुजर सकती थी । शरीफ अपनी साइकिल से उस रास्ते से गुजर रहा था । अचानक साइकिल के हैंडल से उसका हाथ फिसल गया और वह ट्राली के नीचे जा गिरा । ट्राली का पिछला पहिया साइकिल के हैंडल से टकराया। शरीफ पहिए के नीचे कुचल जाने वाला ही था कि उसी समय कुमारी रूकैया बेगम उसे बचाने के लिए दौड़ी आई । कुमारी रूकैया बेगम ने शरीफ को उसके कालर से पकड़कर खींच लिया । अगले ही क्षण ट्राली साइकिल के हैंडल को कुचलते हुए आगे बढ़ गई ।

2. कुमारी रूकैया बेगम ने एक व्यक्ति की जान बचाने में तत्परता और सूझ-बूझ का परिचय दिया।

20. कुमारी स्वप्नली हरीशचन्द्र घाग,
ए/पी सांगवे (धगवाडी),
तालुका संगमेश्वर, जिला रत्नागिरी,
महाराष्ट्र-415804

23 अप्रैल, 2002 को कुमारी स्वप्नली घाग कुंए से पानी लेने गई । उसकी चार वर्षीय बहन वैश्नवी भी उसके साथ थी । जब स्वप्नली पानी भर रही थी अचानक वैश्नवी कुंए में जा गिरी । कुमारी स्वप्नली ने मदद के लिए चिल्लाना शुरू कर दिया । उसने भी कुंए में उतरने की कोशिश की लेकिन जब उसका प्रयास विफल रहा तो उसने कुंए में छलांग लगा दी । कुमारी स्वप्नली ने वैश्नवी को पकड़कर अपने कंधे पर उठा लिया और आधे घंटे तक उसी स्थिति में खड़ी रही । इसी दौरान उनकी मां नजदीक के खेतों में काम करने वाले लोगों से मदद लेने के लिए दौड़ी । तब उनकी सहायता से दोनों लड़कियों को कुंए से बाहर निकाला गया ।

2. कुमारी स्वप्नली ने अपनी जान की परवाह न करते हुए कुंए में गिरी अपनी बहन की जान बचाने मे अनुकरणीय साहस और वीरता का परिचय दिया ।

21. मास्टर यू0पी0 नसीर खान,
सुपुत्र श्री अब्दुल लतीफ,
अंबेपुरा हाउस,
कवरत्ती द्वीपसमूह, लक्षद्वीप ।

3 अप्रैल, 2002 को मास्टर नसीर खान अपने पिता के साथ लक्षद्वीप में कदमत द्वीप गया हुआ था। मास्टर नसीर खान और उसके दो मित्र निजाम और नौफल मौला मस्जिद के नजदीक ही तालाब में नहाने गए हुए थे । तालाब से लौटते समय नौफल को याद आया कि उसकी कमीज गुम हो गई है और वह कमीज लेने के लिए वापस तालाब पर चल पड़ा । जब नौफल वापस नहीं आया तो नसीर खान और निजाम उसकी तलाश में गए । नौफल को वहां न पाकर वे तालाब के पास खड़े हो गए और यह विचार करने लगे कि अब क्या किया जाए । उसी समय उन्होंने देखा कि तालाब की सतह से कुछ बुलबुले उठ रहे हैं । नसीर खान ने यह अनुमान लगाया कि उसका मित्र डूब रहा है और वह पानी में कूद गया । हालांकि नसीर खान कोई कुशल तैराक नहीं था फिर भी उसने बेहोश नौफल को ढूंढ़ लिया और उसे तालाब से बाहर निकाल लिया । अस्पताल ले जाते समय रास्ते में नौफल को होश आ गया ।

2. मास्टर यू0पी0 नसीर खान ने अपनी जान को जोखिम में डाल कर अपने मित्र की जान बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया ।

(बरुण मित्रा)
निदेशक

लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली, 17 अप्रैल, 2003

सं0 6/11/समिति-I/2002 - दिनांक 10 अप्रैल, 2003 के लोक सभा समाचार - भाग II में प्रकाशित निम्नलिखित पैराग्राफ सामान्य जानकारी के लिये एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है -

"सं0 3776

वाणिज्य संबंधी समिति के लिए एक सदस्य का नाम निर्देशन

अध्यक्ष ने श्री सुरेश पासी को वाणिज्य संबंधी समिति के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया है ।"

(ब्रहम दत्त)
उप सचिव

रसायन और उर्वरक मंत्रालय
(उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली,
दिनांकः 17 अप्रैल, 2003

संकल्प

संख्या 12019/5/98-एफ पी पी-I यूरिया इकाईयों के लिए नई मूल्य निर्धारण योजना के संचालन एवं प्रचालन के लिए रसायन और उर्वरक मंत्रालय के दिनांक 13.3.2003 के संकल्प सं0 12019/5/98-एफ पी पी द्वारा उर्वरक उद्योग समन्वय समिति का पुनर्गठन किया गया था । श्री पी.एस. गहलोत, प्रबंध निदेशक, इंडियन पोटाश लि0 और श्री ए.सी. मुथय्या अध्यक्ष, सदर्न पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन लि0 को उर्वरक उद्योग समन्वय समिति में उद्योग सदस्य के रूप में नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है । यह नियक्ति संकल्प जारी होने की तिथि से दो वर्ष की अवधि या आगामी आदेश तक, जो भी पहले हो के लिए होगी ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति लोक सभा सचिवालय और राज्य सभा सचिवालय और भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों और विभागों को प्रेषित की जाए ।

2. यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प को आम सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

(बलविन्दर कुमार)
संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 24th April, 2003

No. 95-Pres/2003 – The President is pleased to approve the **"UTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK"** award to the undermentioned persons :-

1. LATE KUMARI BIASA DEVI, (POSTHUMOUS)
VILLAGE KUSHRI, P.O. BHIUNKHRI,
SUB TEHSIL, RAMSHEHAR, DISTT. SOLAN,
HIMACHAL PRADESH.

On 16-6-2002, Kumari Biasa Devi went to river Gambhar with her two friends, Km. Meera Devi aged 16 years and Kum. Pushpa Devi aged 14 years to take bath. While taking bath in the river, her two friends Meera Devi and Pushpa Devi began to drown in deep water. On noticing this, Kumari Biasa Devi swam towards her friends and tried to help them out. Kumari Biasa Devi did not know swimming very well but she tried to save her two friends and succeeded in helping them out. However, in the process, she herself lost control and drowned in the river.

2. Kumari Biasa Devi showed extraordinary bravery and courage in saving the lives of two young girls from drowning and made the supreme sacrifice of her own life in the process.

2. MASTER C. VANLALHRUAIA, (POSTHUMOUS)
T-75/B VENGHLUI, AIZAWL, MIZORAM

On 3-9-2002 at about 2:30 AM, the family of Shri C.Lalsangliana- his wife, two sons and a daughter were sleeping in their house in Central Aizawl locality. Shri C.Lalsangliana himself was not present in the house. Kumari C.Lallianpuii, 13 year old daughter of Shri C.Lalsangliana suddenly woke up and saw that a man bearing a mask with a hammer and a knife was standing close to her. Kumari C.Lallianpuii shrieked. Her mother Mrs. Zothanpuii, who was sleeping with her on the other side of the bed, woke up. She asked her daughter what was wrong as there was a curtain hung in between them and she could not see her daughter. Kumari C.Lallianpuii could not give any response as the masked-intruder firmly grasped her mouth with his hand. Kumari C. Lallianpuii made another cry after about a minute. The masked-intruder turned violent and hit her with the hammer on her head. On hearing this commotion, Smt. Zothanpuii got up to find out what was wrong. Master C.Vanlalfelam, her younger son, also followed her. Master C.Vanlalhruaia, son of Shri C.Lalsangliana was also awakened by the cries of his sister and came rushing to the room and saw the masked-intruder. The masked-intruder came out from behind the curtain with a knife in his hand. While, Master C.Vanlalhruaia sprang at him, Smt. Zothanpuii and her younger son rushed out of the main door for help. Master C.Vanlalhruaia pinned down the intruder. The masked intruder stabbed him. Master C.Vanlalhruaia fell down. The masked man stabbed him again at the back and left the room. Smt. Zothanpuii who was standing outside the main door was also stabbed by the intruder and he hurriedly rushed out of the house. Later, Master C. Vanlalhruaia, Smt. Zothanpuii and Kumari C.Lallianpuii were rushed to the Aizawl Civil Hospital, where Smt. Zothanpuii and Kumari C.Lallianpuii survived but Master C.Vanlalhruaia succumbed to his injuries.

2. Master C.Vanlalhruaia showed extraordinary courage and bravery to save the lives of his family members and made the supreme sacrifice of his life in the process.

3. LATE SHRI AMAR SINGH, (POSTHUMOUS)
VILLAGE-KACHPURA,
P.S- ATMADUDOLA, AGRA, U.P.

On 24-5-2002, a fire broke out in the compound of Shri G International Shoe Factory, Laxmi Mill in which 41 workers died and 12 were seriously injured. Shri Amar Singh, one of the workers of the factory, showed great courage and bravery and helped out eight persons from the fire flames at a great risk to his own life. Shri Amar Singh succeeded in saving the lives of eight persons. However, in the process, he himself became the victim of the dreadful fire and lost his life.

2. Shri Amar Singh showed extraordinary courage and bravery in saving the lives of eight persons in the fire incident and in the process made the supreme sacrifice of his own life.

Barun Mitra

(Barun Mitra)
Director

No. 96-Pres/2003 – The President is pleased to approve the **"JEEVAN RAKSHA PADAK"** award to the undermentioned persons :-

1. SHRI K.S. GEORGE,
MAVELIMANNIL, MUTTOM.P.O.,
THUMPAMON, ADOOR,
PATHANAMTHITTA, KERALA.

On 28.4.2002, two persons were drowning in the deep zone of Achankoil river. Shri George, who learned about this incident, immediately jumped into the river and swam across to the spot. He saved the drowning persons without caring for his own life.

2. Shri K.S. George saved the lives of two persons at a great risk to his own life.

2. SHRI MATHEW @ APPACHAN,
PARATHAZHATHU HOUSE, PARAPUZHA,
KODIKULAM, PO THODUPUZHA, IDUKKI,
KERALA.

On 25-5-2002, a child slipped into the deep water of river 'Kaliyar', Thodupuzha and started drowning. His younger sister and a woman who were present there shouted for help. Shri Mathew, without caring the risk involved to his own life, plunged into the river. The boy had disappeared from the surface of the water and had sunk to bottom of the river. Shri Mathew dived into the river and pulled up the unconscious boy and dragged him to riverbank.

2. Shri Mathew thus saved the life of a boy from drowning without considering the danger to his own life.

3. SHRI P.G.SIDHARTHAN,
PLACKAL HOUSE, CHERAI,
PALLIPPURAM, KOCHI TALUK,
ERNAKULAM DISTRICT, KERALA.

On 26-1-2002, Shri Sidharthan was going towards Vypin Ferry terminal. Suddenly, a lady who was boarding a boat fell into the water. The lady started struggling in the water but nobody came forward to help her. On noticing this, Shri Sidharthan jumped into the water and saved the lady from drowning. Shri Sidharthan had to struggle a lot to bring the lady ashore. During his attempt to salvage the lady, he also got injured on his head.

2. Shri Sidharthan showed great courage and promtitude in saving the life of a lady from drowning at a risk to his own life.

4. KUMARI T.M. MUMTHAZ,
THRUPEEDIKAYIL HOUSE, PINDANI.P.O.,
THEKKUMMURI, PUTHENCHIRA,
THRISSUR, KERALA.

On 22.5.2002, Kumari Mumthaz accompanied her aunt for washing clothes in a nearby pond. On reaching the pond, they heard screams for help and learned that two girls were drowning in the pond. Kum. Mumthaz, hardly a 12 year old girl, without losing any time and without any second thought about her personal safety, jumped into the pond and helped the two girls out of the water and thus saved them from drowning.

2. Kumari Mumthaz showed great courage, promptitude and presence of mind in saving the lives of two girls from drowning at a great risk to her own life.

5. SHRI U.V. SUKUMARAN,
UDUVADIKUNNATH HOUSE, KILLIMANGALAM,
TALAPPILLY TALUK-II, THRISSUR DISTRICT,
KERALA.

On 6.3.2002, a lady while taking bath in a pond fell into the pond and started drowning. Three other persons who had accompanied her tried their best to rescue her. However, they too fell into the pond and started drowning. Hearing their screams for help, Shri Sukumaran who was passing by that side, rushed to the spot and rescued all the four persons one by one.

2. Shri Sukumaran showed great courage and saved the lives of four persons from drowning without caring for his personal safety.

6. MISS SHRESHTHI AMRIT GORULE,
B-8, TRINAPUSHPA CO-OP.HSG.SOC. LTD.,
LUISWADI,
THANE (WEST), MAHARASHTRA.

On 9-12-2001, Kum. Shreshthi Gorule, alongwith her family and relatives was on picnic at Barvi Dam, near Badlapur in Thane District and were swimming. After swimming, Kum. Shreshthi alongwith her companions returned to the shore of the river. Meanwhile, 3 girls and 2 boys from other families also stared swimming. The boys and girls almost reached near the centre point where the depth of the river was about 4 to 5 metres. They were, however, unable to swim downstream. On hearing their screams Kum. Shreshthi sensed that something was wrong. She immediately jumped into the river. The two girls encircled Kum. Shreshthi in an effort to be saved from drowning. She bravely pushed one of the drowning girls to the river shore and caught hold of the hair of the other girl and dragged her also out of the river. However, two boys and one girl could not to be helped out of the water.

2. Kum. Shreshthi showed exemplary courge and bravery in saving the lives of two girls from drowning at a great risk to her own life.

7. SHRI RUALKHUMA,
PEON CUM CHOWKIDAR, M/S-III, SAITUAL,
MIZORAM.

On 1.8.2002, a swarm of poisonous wasps scattered from their nest near the Middle School-III, Saitual. A twelve year old boy Ramengmawia, class-V student of this school was on his way to the school. The fierce swarm of wasps attacked the boy. The boy ran aimlessly and cried for help. Unluckily, he entered into a nearby open door of a house where the wasps had built their nest. There he was attacked by more wasps. Hearing the cry of the helpless boy from the school compound, Mr. Rualkhuma ran towards the boy to help him. He was also attacked by the wasps but he bravely fought the wasps and tried to get the boy away from the wasps. Ignoring his own pain, he picked up the boy and ran towards the School which was more than 170 mtrs up the hill. When they reached the school, Shri Rualkhuma fell down and fainted due to exhaustion and pain. After receiving medical treatment, Shri Rualkhuma regained consciousness but the poor boy, who had been badly stung by the wasps, died on the same day.

2. Shri Rualkhuma showed extraordinary courage and bravery in his attempt to save the life of a child from wasps attack without caring for his personal safety.

8. SHRI SACHIN KUMAR TANWAR,
INS, PORBANDAR, WESTERN NAVAL COMMAND,
C/O FMO MUMBAI.

On 8-6-2002, Shri Sachin Kumar Tanwar Sea II QA3 No. 127243R, Gun Operator, was involved in cleaning at the quarterdeck while the ship was berthed in Wet Basin. He noticed a Maruti Van being reversed and slipping off the jetty into the water with the driver inside. Shri Sachin Tanwar displayed presence of mind and jumped in the water. The driver, being a non swimmer, was in a state of panic but Shri Sachin Tanwar managed to pull him out.

2. Shri Sachin Kumar Tanwar displayed courage and promptitude in saving the life of a person from drowning.

9. SHRI KULA GOGOI, PIONEER, GS-182389X.
1600 PNR COY (GREF)
C/O 56 APO.

On 8th March 2002, two Jawans, while crossing the "Tinku Nala" on the Indo-Tibet Road got trapped in the heavy snow fall. On receiving message, some personnel of 1600 Pnr Coy unit rushed to the spot. Nobody dared to cross the icy river Satluj due to the heavy current of water. However, Shri Kula Gogoi came forward to help the trapped personnel. He tied a rope on his waist and crossed the river by swimming and reached the opposite side of the river bank. On reaching there, he tied the rope on the waist of Shri Nawal Kumar and helped him in crossing the river safely. Similarly, he evacuated the second personnel, Shri Mintu Mirda with the help of a rope and a tyre tube.

2. Shri Kula Gogoi exhibited exemplary braveness and courage in saving the lives of two persons with utter disregard to his personal safety.

10. SHRI NAZIR SEIKH,
55, ROAD CONSTRUCTION COY,
(GREF), C/O 56 APO.

Shri Nazir Seikh of 55 RCC (GREF) was deployed at Drass Sector for snow clearance on Road Zojila-Kargil-Leh. On 28-4-2002, the snow clearance team while returning from work site, got stuck up in a blizzard. In the heavy snow avalanche, the Snow Cutter, driven by L/NK (OEM) Gurjit Singh, got buried in the snow. Without caring for his own safety, Shri Nazir Seikh moved towards the avalanche area looking for L/NK Gurjit Singh to help him out of the pile of snow. Even though the visibility was extremely poor, he located the Snow Cutter buried under heavy snow on Zojila-Kargil-Leh road. He immediately started removing the snow lying over the equipment. After removing 3 to 4 feet of snow, he took out L/NK(OEM) Gurjit Singh from the buried equipment and thus saved his life.

2. Shri Nazir Seikh, displayed exemplary courage in saving the life of a person at a risk to his own life.

11. MASTER ABDUL RAZAK C.M.,
CHERIYA MUNDAKKAL HOUSE,
P.O.POOLAKOOL, VIA KAKKATTIL,
KERALA.

On 21-6-2002, Ms.Hazara was returning home after grazing her cow when suddenly another cow ran after her. Frightened, Hazara raced and accidently touched a live electric wire. She was caught in the grip of electric current. Seeing this, her mother Ayesha, rushed to her rescue. She too was caught in the grip of the current. When another women, Fathima tried to save them she too met the same fate. As passersby watched helplessly, Master Abdul Razak rushed to the spot with a dry log and hit the wire with it. He succeeded in separating them from the live wire. The women were then given treatment at the local Primary Health Centre.

2. Master Abdul Razak showed extraordinary courage and presence of mind in saving the lives of three women from electrocution at risk to his own life.

12. MASTER ASHOK KUMAR CHOUDHARY,
MD-43, DUPLEX SECTOR D,
LDA COLONY, KANPUR ROAD, LUCKNOW,
UTTAR PRADESH.

On the afternoon of 17-1-2002, Master Ankit Kumar Sahu, a student of nursery at the RPS Public Inter College was standing on the second floor of the school building when he accidently touched an 11 KV electric feeder line next to the building. He was instantly caught in the grip of electric current. Ankit screamed for help. Hearing his cries, the students and teachers of the school rushed to the spot. Ashok Choudhary, a student of class XII, who was standing nearby, rushed forward to rescue Ankit. At first he tried to catch hold of Ankit's feet. As it had rained the revious day, the roof was wet and the current passing trough Ankit's foot, rendered Ashok's attempt futile. Leaning on the wall for support, Ashok caught hold of Ankit a second time and pushed him hard. As a result of the impact, both the boys fell away from the wire. The students and teachers who had gathered there, then took both of them to hospital.

2. Master Ashok Kumar Choudhary showed great courage in saving the life of his schoolmate at a risk to his own life.

13. KM. CHARU SHARMA,
C/O SHRI ANIL SHARMA,
R.NO. 12, 4TH FLR, DR'S QTRS, BOMBAY HOSPITAL, 12 NEW MARINE LINES,
MUMBAI-2, MAHARASHTRA.

14. MASTER CHINMAY SHARMA,
ROOM NO. 12, 4TH FLOOR, DOCTOR'S QRTS.,
BOMBAY HOSPITAL, 12 NEW MARINE LINES,
MUMBAI, MAHARASHTRA.

On the afternoon of 10-4-2002, Smt. Neha Sharma and her two children Charu and Chinmay were going to Dadar in the local train to see the doctor. Two men boarded the train from Mumbai Central Staion. One of them snatched the handbag of a 60 year old lady sitting next to Smt. Sharma and the other pounced on her with a knife. He snatched her handbag. Charu instantly grabbed her mother's handbag from him. The thief pulled Charu's hair and hit her. Charu, however, did not let go the bag. The thief threw Charu towards the door. Chinmay screamed and, pulling the miscreant's hair from behind bit him. As a result, the knife slipped from the miscreant's hand. Chinmay immediately threw the knife out. The other man threw Chinmay under the seat injuring him on the head. Meanwhile, Charu pounced at his neck. Consequently the old lady's hand bag slipped from the thief's hand. Chinmay picked up the bag and did not let go. Although the thieves repeatedly hit the children, the latter did not let them take any belongings from the passengers. The miscreants got off at Mahalaxmi station.

2. Kumari Charu Sharma and Master Chinmay Sharma fought bravely with the miscreants and foiled the theft attempt at risk to their lives.

15. KU. GUDDIBEN KALUBHAI MASHAR,
VILLAGE DHANDKAN,
TALUKA PANTIJ,
DIST. SABARKANTHA, GUJARAT.

On the night of 22-3-2002, a wild animal attacked some children sleeping outside a house in the fields. A six month old baby sleeping in a cradle was tom into pieces and was devoured by the animal. Thereafter, the beast attacked a two year old boy sleeping beside her. Holding the boy from his head, the animal started dragging him. Just then, Guddiben woke up. She confronted the animal and was able to save her nephew. However, in the process, she got hurt by the animal. Both Vipul and Guddi were admitted to the Civil Hospital for treatment.

2. Kumari Guddiben showed courage and bravery in saving the life of a boy at a risk to her own life.

16. KM. JESSAMMA GEORGE,
KORATTIYIL,
KANNADY P.O. PULINCUNNOO,
ALAPPUZHA-688507. KERALA.

17. KM. NIKKY MARIA JACOB,
POCHUPARAMBILAYA PUTHENPARAMBIL,
KANNADY, P.O. PULINCUNNOO,
ALAPPUZHA, DIST-688507. KERALA.

On 24-6-2002, it was raining heavily and the river Pumpa in front of the Little Flower High School was overflowing. The depth of the river is 15 feet. Srinath S., a student of standard IV of the school had gone to wash his tiffin box in the river. While washing, he accidently slipped and fell into the water. As he did not know swimming, he soon started drowning. Seeing this, Kumari Nikky Maria Jacob, who was standing nearby jumped into the water and tried to rescue the boy. However, the strong current proved to much for her. Seeing Nikky Maria struggling to bring Srinath to the bank, Kumari Jessamma George, a student of the same school, jumped into the river and helped Nikky Maria to rescue Srinath.

2. Kumari Jessamma George and Kumari Nikky Maria Jacob showed courage in saving the life of their two schoolmates from drowning at a risk to their lives.

18. MASTER JUSTIN K. TOM,
KUTTEMPEROOD, RUBYNAGAR, MORKULANGRA,
CHANGANACHERRY, KOTTAYAM,
KERALA.

On 26-6-2002, Master Sachu, Bichu and Kanan were playing in the courtyard of Sachu's house. During the course of play, three year old Sachu slipped into the concrete water tank in the courtyard. The tank was full of dirty water. Seeing Sachu drowning, the other children started screaming. Hearing their cries, Master Justin Tom, a mentally retarded child, rushed to the spot and brought Sachu out of the tank safely.

2. Master Justin K.Tom showed bravery in saving the child from drowning.

19. KUMARI RUKAIYA BEGUM,
C/O ARIF JAJAM,
NEAR JAMA MASJID, SADAR UTTAR WARD NO.23,
POST & DIST. DHAMTARI-493773,CHATTISGARH.

At around 7.00 p.m on 1-2-2002, a tractor trolley full of rubble was passing through a lane in which the Jajam family lived. The lane was extremely narrow and there was barely space for the trolley to pass. Sharif was crossing the lane on his cycle. All of a sudden his hand slipped from the handle of the cycle and he fell beneath the trolley. The rear wheel of the trolley hit the handle of his cycle. The wheel was just about to crush Sharif when Kumari Rukaiya Begum rushed to his rescue. Kumari Rukaiya Begum pulled out Sharif by his collar just moments before the trolley crushed his cycle and went ahead.

2. Kumari Rukaiya Begum showed promptitute and presence of mind in saving the life of a person.

20. KUMARI SWAPNALI HARISHCHANDRA GHAG,
A/P. SANGAVE (GHAGWADI),
TALUKA SANGAMESHWAR, DIST. RATNAGIRI,
MAHARASHTRA-415804.

On 23-4-2002, Kumari Swapnali Ghag went to fetch water from a well. Her four year old sister Vaishnavi was also with her. As Swapnali was drawing water, Vaishnavi accidently fell into the well. Kumari Swapnali started screaming for help. She also tried to get into the well but when her efforts proved futile, she jumped into it. Kumari Swapnali picked up Vaishnavi and put her on her shoulder and stood in that position for half an hour. Meanwhile their mother ran to get help from people working in the nearby fields. Both the girls were then brought out of the well with their help.

2. Kumari Swapnali showed exemplary courage and bravery in saving the life her sister who had fallen in the well, without caring for her personal safety.

21. MASTER U.P. NASEER KHAN,
S/O SHRI ABDUL LATHEEF,
UMBEPURA HOUSE,
KAVARATTI ISLAND, LAKSHADWEEP.

On 3-4-2002, Master Naseer Khan had gone to Kadmath Island in Lakshadweep with his father. Master Naseer Khan and his two friends, Nizam and Nowfal, had gone to bath in a pond near moula mosque. While returning from the pond, Nowfal realised that his shirt was missing and went back to the pond to fetch it. When Nowfal did not return, Naseer Khan and Nizam went in search of him. Not finding Nowfal, they stood near the pond deliberating on what to do. Just then they noticed some bubbles erupting from the bottom of the pond. Assuming that his friend was drowning, Naseer Khan jumped into the water. Although he was not an expert swimmer, Naseer Khan managed to locate unconscious Nowfal and brought him out of the pond. Nowfal gained consciousness on way to the hospital.

2. Master U.P.Naseer Khan showed courage and promptitude in saving the life of his friend at a risk to his own life.

(Barun Mitra)
Director

LOK SABHA SECRETARIAT

New Delhi, the 17th April , 2003

No. 6/11/CI/2002 – The following paragraph published in the Lok Sabha Bulletin-Part II, dated 10th April, 2003, is hereby published for general information :-

"No. 3776

Nomination of a Member to the Committee on Commerce

The Speaker has nominated Shri Suresh Pasi to be a member of the Committee on Commerce.".

Brahm Dutt

(BRAHM DUTT)
DEPUTY SECRETARY

Ministry of Chemicals and Fertilizers
(Deptt. of Fertilizers)

New Delhi
Dated : 17th April 2003

RESOLUTION

No. 12019/5/98-FPP. The Fertilizer Industry Coordination Committee was reconstituted vide Ministry of Chemicals and Fertilizers' Resolution No. 12019/5/98-FPP dated 13.3.2003 to administer and operate the new pricing scheme for urea units. It has been decided to appoint Shri P.S. Gehlaut, Managing Director, Indian Potash Limited and Shri A.C. Muthaiah, Chairman, Southern Petrochemical Industries Corporation Limited as industry members in the Fertilizer Industry Coordination Committee. The appointment will be for a period of two years from the date of issue of the Resolution or until further orders, which ever is earlier.

ORDER

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to the Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat and the Ministries and Departments of the Government of India concerned.

2. Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

(Balvinder Kumar)
Joint Secretary

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 2003
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD, AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 2003